बरेली को मिलेगा मंडल का पहला गारमेंट क्लस्टर

साल 2025 बरेली के विकास में नया अध्याय जोड़ेगा। इस वर्ष जिले को विकास की कई बड़ी योजनाओं का तोहफा मिलने वाला है। इन योजनाओं का उद्देश्य बरेली को न केवल आधुनिकता की ओर ले जाना है, बल्कि यहां के नागरिकों के जीवन स्तर को भी ऊंचा उठाना है। स्वास्थ्य सेवाओं से लेकर परिवहन, रोजगार और उद्योग के क्षेत्र में नए अवसर उत्पन्न करने वाली इन परियोजनाओं से शहर में समग्र विकास होगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, तेज और स्मार्ट परिवहन नेटवर्क, रोजगार के बढ़ते अवसर, और उद्योगों के विस्तार से बरेली एक नई दिशा की ओर अग्रसर होगी। ये परिवर्तन न केवल शहर की छवि को बदलेंगे, बल्कि बरेली को एक समृद्ध और विकसित शहर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होंगे।

5.50 करोड़ से तैयार हुआ गारमेंट क्लस्टर

1000 लोगों को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार

सौगात

बरेली/मीरगंज। नए साल में बरेली को मंडल का इकलौता रेडिमेड गारमेंट क्लस्टर की सौगात मिलेगी। करीब साढ़े पांच करोड़ की लागत से तैयार इस क्लस्टर से एक हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। जिला उद्योग केंद्र का दावा है कि इस कॉमन फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन जनवरी माह में कर दिया जाएगा। इसके बाद यहां उत्पादन कार्य शुरू हो जाएगा।

भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय की लघु सूक्ष्म उद्यम क्लस्टर विकास योजना के तहत यह क्लस्टर मीरगंज तहसील के गांव नौसना में बनकर तैयार हो गया है। इस रेडिमेड गारमेंट कॉमन फैसिलिटी सेंटर का निर्माण मैसर्स बरेली अप्रैल्स इंडस्ट्रीज डबलपमेंट सोसायटी लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। सेंटर के निर्माण पर केंद्र सरकार 3.72 करोड़, यूपी सरकार 1.19 करोड़ एवं मैसर्स बरेली अप्रैल्स इंडस्ट्रीज डबलपमेंट सोसायटी 73.67 लाख रुपए खर्च कर रही है।

केंद्र सरकार से उसके द्वारा दिए जा रहे अंशदान की 30 लाख रुपयों की धनराशि मिलना शेष रह गई। एमएसएमई की समापन रिपोर्ट लगने पर भारत सरकार का सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय अंशदान की शेष धनराशि जारी कर देगा।

सोसायटी के सचिव रिंकू गंगवार ने बताया कि धरातल पर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सोसायटी ने वर्किंग कैपिटल के रूप में 30 लाख की धनराशि जमा कर दी है। एमएसएमई की समापन रिपोर्ट लगने पर फैसिलिटी सेंटर में वाणिज्यक गतिविधि शुरू हो जाएंगी।

वर्ष 2017 में स्वीकृति हुई थी परियोजना: सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने 24 मई 2017 में परियोजना स्वीकृत की थी। सचिव ने बताया परियोजना का फाइनल अप्रूवल 2018 में मिला था। सोसायटी ने 28 मार्च 2021 में परियोजना को पूरा कर दिया।

मीरगंज के गांव नौसना में रेडिमेड गारमेंट क्लस्टर बनकर तैयार हो चुका है।

3.62 करोड़ की लगी है आधुनिक मशीनें

फैसिलिटी सेंटर में सोसायटी ने अपनी अंशदान राशि, यूपी सरकार से प्राप्त राशि एवं केंद्र सरकार से अब तक प्राप्त राशि बिल्डिंग, मशीनें लगाने आदि में खर्च कर दी है। सेंटर में 3.62 करोड़ रुपयों की मशीनें लगी हैं।

युवाओं एवं महिलाओं को प्रशिक्षण संग रोजगार

सेंटर में गारमेंट की चेकिंग, कटिंग एवं फिनिशिंग की ट्रेनिंग भी बेरोजगार युवाओं एवं महिलाओं को मिलेगी। सचिव रिंकू गंगवार ने बताया फैसिलिटी सेंटर शुरू होने पर क्षेत्र के 1000 बेरोजगारों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

जनसहूलियत पर फोकस

उपाध्यक्ष बीडीए मनिकंडन ए ने बताया कि जनता की सहूलियत वाली योजनाओं पर फोकस है। बीडीए ग्रेटर बरेली, नाथधाम टाउनशिप, मेट्रो रेल और विकास के प्रोजेक्टों पर तेजी से काम करेगा। जनता के लिए सुविधाओं को पूरा किया जाएगा।

जल्द शुरू होगा उत्पादन

जिला उद्योग केंद्र के उपयुक्त विकास यादव ने बताया कि प्रोजेक्ट में भारत सरकार एमएसएमई आगरा ने कुछ बिंदुओं पर जवाब मांगे थे, जो दे दिए गए हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि इस साल जनवरी में रेडीमेड गारमेंट क्लस्टर में उत्पादन का काम शुरू हो जाएगा।

100 करोड़ रुपये मलिन बस्तियों पर होंगे खर्च

- एक साथ शहर के 80 वार्डों में निर्माण शुरू करने की नगर निगम की है योजना

स्मार्ट सिटी में विकास के गढ़े जाएंगे नए आयाम

मेयर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि साल 2025 शहर के लिए सुनहरा होगा। स्मार्टसिटी में विकास के नए आयाम गढ़े जाएंगे। निगम की ओर 2025 में एक साथ 80 वार्डों में निर्माण शुरू करने की योजना है। सभी मलिन बस्तियां 100 करोड़ से पूरी तरह से विकसित की जाएंगी।

100 बेड का यूनानी मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार, उद्घाटन का इंतजार

चिकित्सा

बरेली, प्रमुख संवाददाता। प्रदेश सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल यूनानी मेडिकल कॉलेज का तोहफा नए साल में मिलेगा। यूनानी मेडिकल कॉलेज में मरीजों के इलाज के लिए 100 बेड का हॉस्पिटल का निर्माण भी किया गया है। मेडिकल कॉलेज में यूनानी पैथी से उपचार करने वाले डॉक्टर भी तैयार किए जाएंगे। बरेली के साथ-साथ रुहेलखंड और उत्तराखंड के मरीजों को भी मेडिकल कॉलेज का लाभ मिलेगा।

स्टेडियम रोड स्थित हजियापुर में नगर निगम की 27 हजार वर्ग मीटर जमीन पर यूनानी मेडिकल कॉलेज का निर्माण किया गया है। 113 करोड़ की रकम खर्च कर तीन महीने पहले बिल्डिंग बनकर तैयार हो चुकी है। सिर्फ बिजली कनेक्शन की वजह से मेडिकल कॉलेज शुरू नहीं हो सका। कॉलेज तक स्पेशल फीडर से अंडर ग्राउंड लाइन बिछाने को सात करोड़ के बजट की जरूरत है। पीडब्ल्यूडी व अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारियों के सहमति बन गई है।

बोले जिम्मेदार

कनेक्टिविटी होगी बेहतर

नगरायुक्त संजीव मौर्य ने बताया कि जनता से जुड़े काम रफ्तार पकड़ेंगे। कनेक्टिविटी के मामले में बरेली 2025 में विकास प्रोजेक्टों से जुड़ जाएगा। शहर के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर 2025 में काम होने जा रहा है।

जिले को मिलेंगे 25 नए स्वास्थ्य उपकेंद्र

सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि शेरगढ़ में 5, बहेड़ी में 8, क्यारा में एक, भमोरा में 2, भोजीपुरा में 2, मझगवां में 1, भुड़िया नबी बख्श में 2 व फतेहगंज पश्चिमी में 1 स्वास्थ्य उप केंद्र खुलेंगे।

रेलवे की बदलेगी तस्वीर

जंक्शन पर खुलेगा रेल कोच रेस्टोरेंट बरेली जंक्शन पर कॉमर्शियल विभाग की ओर से रेल कोच रेस्टोरेंट खोलने का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसे बोर्ड से स्वीकृति मिल गई है। बरेली जंक्शन के सर्कुलेटिंग एरिया में अप्रैल तक रेल कोच रेस्टोरेंट खुलने की उम्मीद है। इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। बताया जा रहा है कि नामित एजेंसी को रेलवे कोच उपलब्ध कराई जाएगा। एजेंसी उस कोच में रेस्टोरेंट बनाएंगी, जहां 24 घंटे सस्ता और शुद्ध शाकाहारी भोजन और नाश्ता मिलेगा।

शुरू होगा इंक्यूबेशन केंद्र किसानों को मिलेगा लाभ

डेलापीर तिराहे पर उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की ओर से इंक्यूबेशन सेंटर बनकर तैयार है। एक करोड़ रुपये की लागत से बिल्डिंग बनाने के साथ यहां एक करोड़ 80 लाख की मशीनें लगाई जानी है, जो आने लगी है। कार्यालय अधीक्षक के मुताबिक 15 जनवरी के बाद कभी भी यह शुरू हो जाएगा। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सब्जी मंडी में कई बार दाम उचित न मिलने पर किसानों को मजबूरन अपनी फसल को फेंकना पड़ता था। जनवरी 2025 से अब किसानों को टमाटर जैसी फसल को सड़क पर नहीं फेंकना होगा, बल्कि उसे लेकर बेच सकेंगे या उससे सॉस बनवा सकेंगे।